उद्यमिता विकास की संभावनाओं पर चर्चा

बीकानेर @ पत्रिका. वैज्ञानिक तरीकों से भेड़ एवं बकरी पालन के माध्यम से उद्यमिता विकास विषय पर सात दिवसीय प्रशिक्षण मंगलवार को स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में शुरू हुआ। कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने कहा कि वैज्ञानिक तरीकों से भेड़ एवं बकरी पालन के माध्यम से उद्यमिता विकास की व्यापक संभावनाएं हैं। रजिस्ट्रार देवाराम सैनी ने कहा कि जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए किसानों को खेती के साथ-साथ पशुपालन और इससे उद्यमिता विकास की दिशा में आगे बढ़ना होगा। वित्त नियंत्रक पवन कस्वां ने पशुपालकों को खेती के अतिरिक्त आय सृजित करने के लिए भेड़ एवं बकरी पालन के माध्यम से उद्यमिता विकास से जुड़ने का आह्वान किया।

दैनिक भास्कर
बीकानेर ज़िला 23-04-2025

वैज्ञानिक भेड़ और बकरी पालन से उद्यमिता विकास पर प्रशिक्षण शुरू

बीकानेर| वैज्ञानिक तरीकों से भेड़ एवं बकरी पालन के माध्यम से उद्यमिता विकास विषय पर सात दिवसीय प्रशिक्षण मंगलवार को स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में शुरू हुआ। मानव संसाधन विकास विभाग सभागार में आयोजित प्रशिक्षण के उद्घाटन सत्र में कुलपति डॉ अरुण कुमार ने कहा कि वैज्ञानिक तरीकों से भेड़ एवं बकरी पालन के माध्यम से उद्यमिता विकास की व्यापक संभावनाएं हैं। विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार देवाराम सैनी ने कहा कि जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए किसानों को खेती के साथ-साथ पशुपालन और इससे उद्यमिता विकास की दिशा में आगे बढ़ना होगा।